This question paper contains 7 printed pages]

2382-R

II Year Arts (Regular) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper II

(गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई I

(*i*) पंच किसे कहते हैं ? मिश्रजी ने पंचों की तुलना किससे की है ?

(*ii*) 'हार की जीत' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम बताइये।

इकाई II

(*iii*) 'मेरी जन्मभूमि' ललित निबन्ध के लेखक का नाम बताइये।

(*iv*) रामधारी सिंह दिनकर की कोई **दो** कृतियों के नाम बताइये।

इकाई III

(*v*) "मैं तुम्हें घृणा करती हूँ, फिर भी तुम्हारे लिए मर सकती हूँ। अंधेर है जलदस्यु! तुम्हें प्यार करती हूँ।" यह कथन किसने किससे कहा ?

(*vi*) 'खुदाराम' कहानी के लेखक का नाम बताइये।

इकाई IV

(*vii*) 'पाजेब' कहानी में मूल रूप से किसका वर्णन किया गया है ?

(*viii*) 'गदल' कहानी में गदल की **दो** प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

इकाई V

(*ix*) प्रेमचंद के **चार** उपन्यासों के नाम बताइये।

(*x*) शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकार का नाम बताइये जिसके नाम से इस युग का नामकरण हुआ है।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''विचार के देखिए तो इसमें कोई संदेह भी नहीं है कि—जब जेहि रघुपति करहि जस, सो तस तेहि छिन होय की भाँति पंच भी जिसको जैसा ठहरा देते हैं वह वैसा ही बन जाता

है। आप चाहे जैसे बलवान, धनवान, विद्वान हों पर यदि पंच की मर्जी के खिलाफ चलिएगा तो अपने मन में चाहे जैसा बने बैठे रहिए, पर संसार से आपका वा आपसे संसार का कोई काम निकालना असंभव नहीं तो दुष्कर अवश्य हो जायेगा।

अथवा

3. "सहसा उन्हें एक झटका सा लगा, और लगाम हाथ से छूट गई। उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा, जब उन्होंने देखा कि अपाहिज घोड़े की पीठ पर तन कर बैठा, और घोड़े को दौड़ाए लिए जा रहा है। उनके मुख से भय, विस्मय और निराशा से मिली हुई चीख निकल गई। यह अपाहिज खड्ग सिंह डाकू था।

इकाई II

4. कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। 'कबीर साहब से भेंट' निबन्ध के आधार पर इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

5. 'सीमा रेखा' एकांकी की एकांकी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

इकाई III

6. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"पर न जाने कौन अभिशाप हम लोगों को अभी तक अलग किए है। स्मरण होता है वह दार्शनिकों का देश। वह महिमा की प्रतिमा! मुझे वह स्मृति नित्य आकर्षित करती है परन्तु मैं क्यों नहीं जाता ? जानती हो, इतना महत्व प्राप्त करने पर भी मैं कंगाल हूँ। मेरा पत्थर सा हृदय एक दिन सहसा तुम्हारे स्पर्श चंद्रकांत मणि की तरह द्रवित हुआ।"

अथवा

7. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"अब जब मैं अपने को सारे संसार में अकेला, स्नेह तथा संवेदना से वंचित, असहाय एवं निरुपाय अनुभव करने लगा तो उसकी भोली-भाली सकरुण, स्नेह की वेदना से भरी

सहज सलोनी मूर्ति प्रतिपल मेरी आँखों के आगे भासित होने लगी। उसके पत्रों में सरल शब्दों में वर्णित कातर व्याकुलता के हाहाकार की पुकार मानो मेरी स्मृति के अतल गह्वर में दीर्घ सुप्ति की घोर जड़ता के बाद अकस्मात जाग्रत होकर मेरे हृदय पर जलते हुए अंगारों के गोलों से आघात करने लगी।

इकाई IV

8. 'पाजेब' कहानी में जैनेन्द्र ने बाल मनोविज्ञान का सुन्दर चित्रण किया है। कहानी का प्रतिपाद्य समझाते हुए वर्णन कीजिए।

अथवा

9. 'आर्द्रा' कहानी में माँ की व्यथा को मूल भाव के रूप में चित्रित किया है। कहानी के आधार पर समझाइये।

इकाई V

10. प्रेमचंद युगीन कहानी की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

अथवा

11. नाटक, निबन्ध या आलोचना विधा के विकासक्रम को समझाइये।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. 'हार की जीत' कहानी का मूल भाव समझाते हुए कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

इकाई II

13. 'कफ़न' कहानी की मूल समस्याओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

इकाई III

14. " 'गदल' कहानी में नारी मन की भावनाओं का चित्रण किया गया है।" कहानी के तत्वों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई IV

15. हिंदी गद्य साहित्य के विकास पर आलेख लिखिए।